भारत ने अलकायदा और आईएस के नए संगठनों को प्रतबिंधति कयिा

चर्चा में क्यों?

गृह मंत्रालय ने कठोर आतंकवाद रोधी कानून, गैर-कानूनी गतविधि (रोकथाम) अधनियिम,1967 (UAPA) के तहत आतंकी संगठन अलकायदा और आईएस के नए संगठनों पर प्रतबिंध लगा दयिा है। आधकिारकि आदेश के अनुसार, गृह मंत्रालय ने अलकायदा इन इंडयिन सबकॉन्टनिेंट (AQIS) और आईएस के अफगानसि्तान आधारति संगठन इस्लामकि स्टेट ऑफ इराक एंड खुरासन (ISKP) को गैर-कानूनी घोषति कर दयिा है क्योंकि इन संगठनों को 'वैश्वकि जहिाद' के लयि भारतीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने तथा उन्हें भारतीय हतिों के खलिाफ आतंकी गतविधियिों के लयि उकसाने का दोषी पाया गया।

महत्त्वपूर्ण बदिु

- मंत्रालय ने एक अधसिूचना जारी की है कि अिल कायदा और ISKP के सहयोगी AQIS और इस्लामकि स्टेट (IS) का अफगानसि्तान वगि, दोनों "आतंकवादी संगठन" हैं। अलकायदा और इस्लामकि स्टेट पहले से ही UAPA के तहत प्रतबिंधति हैं|
- मंत्रालय द्वारा जारी अधसिूचना में कहा गया है कि अिलकायदा से जुड़ा संगठन AQIS एक आतंकवादी संगठन है जसिने पड़ोस के देशों में आतंकी कृत्यों को अंजाम दयिा है और भारतीय उपमहाद्वीप में भारतीय हतिों के खलिाफ आतंकी कृत्यों को बढ़ावा तथा प्रोत्साहन दे रहा है|
- आदेश में कहा गया है कि यिह संगठन 'वैश्वकि जहिाद' के लयि युवाओं की भर्ती कर अपनी स्थतिि मज़बूत करने तथा लोकतांत्रकि रूप से नरि्वाचति सरकारों को उखाड़ फेंक अपना खुद का 'खलीफा' स्थापति करने के उद्देश्य से आतंकी कृत्यों को अंजाम देता रहा है।
- जनवरी में दलि्ली पुलसि ने युवा भारतीयों को जेहादी समूह में शामलि कराने के लयि कथति रूप से भाषण देने के आरोप में अल-कायदा के संदग्धि आतंकवादी जीशान अली के खलिाफ पटयिाला हाउस कोर्ट में आरोपपत्र दायर कयिा था।
- गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि संगठन (अब प्रतबिंधति) भारत तथा भारतीय हतिों को अपना नशिाना मानता है और आतंकी गतविधियिों के लयि भारतीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाने तथा उनकी भर्ती करने जैसी गतविधियिों में लगा है।
- इसमें कहा गया है कि युवाओं का चरमपंथ की जद में आना राष्ट्रीय सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय शांति के लयि गंभीर चतिा का वषिय है। गैर- कानूनी गतविधि रोकथाम कानून में प्रतबिंधति संगठनों और उनके सदस्यों से नपिटने के लयि कठोर प्रावधान हैं।
- तहरीक-ए-तालबिान (TTP) के दोषयिों को शामलि करते हुए ISKP 2015 में अस्तत्वि में आया था।
- कहा जाता है कि केरल के 20 पुरुष, महलिाएँ और बच्चे 2016 में अफगानसि्तान में आईएस-नयिंत्रति क्षेत्र में रहने के लयि गए थे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-bans-two-affiliates-of-al-qaeda-and-is